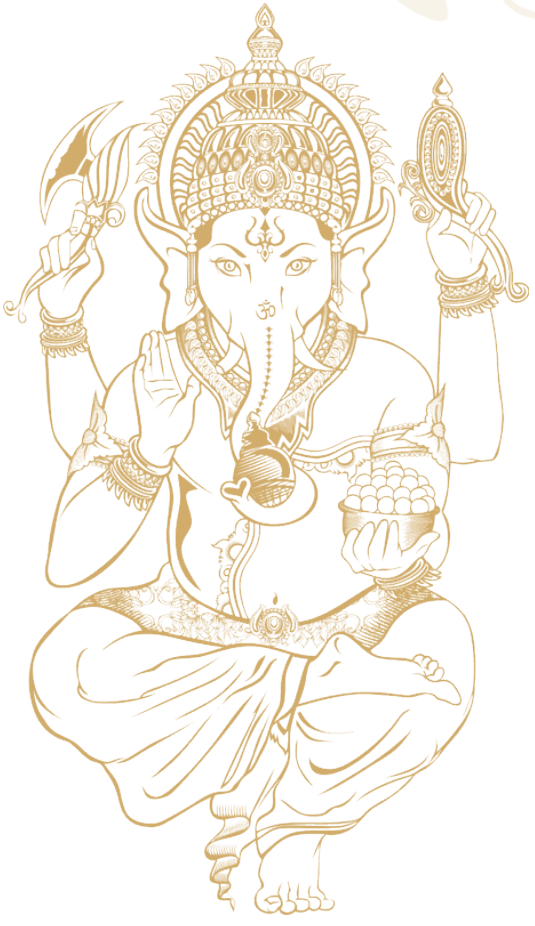

Rada

03 Feb 2026

03:36 AM

Shamli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121160103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**2-03/02/2026**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**03:36:00 घंटे**
इष्ट	51:05:03 घटी
स्थान	**Shamli**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:27:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:15:12 घंटे
वेलान्तर	-00:13:41 घंटे
साम्पातिक काल	12:07:38 घंटे
सूर्योदय	07:09:58 घंटे
सूर्यास्त	17:59:22 घंटे
दिनमान	10:49:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:51:00 मकर
लग्न के अंश	24:47:32 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	24:47:32	317:05:04	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
सूर्य			मक	19:51:00	01:00:51	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	02:46:08	13:47:25	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	14:00:30	00:47:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	28:39:03	01:46:22	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:55:36	00:06:27	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	26:21:50	01:15:16	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	04:36:29	00:06:01	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:49:01	00:01:06	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:49:01	00:01:06	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:13	00:00:04	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:58:12	00:01:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:32:03	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	07:51:34	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

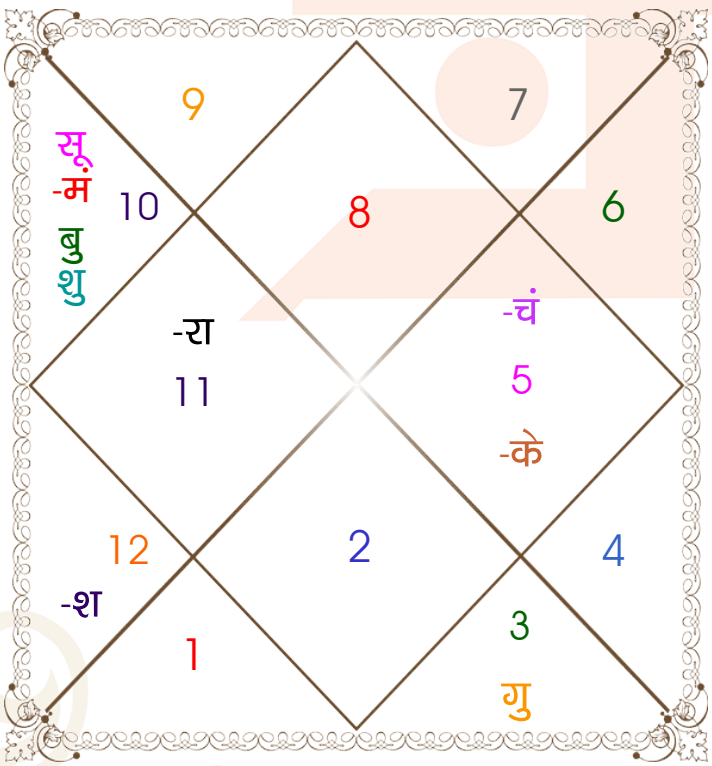

चन्द्र कुंडली

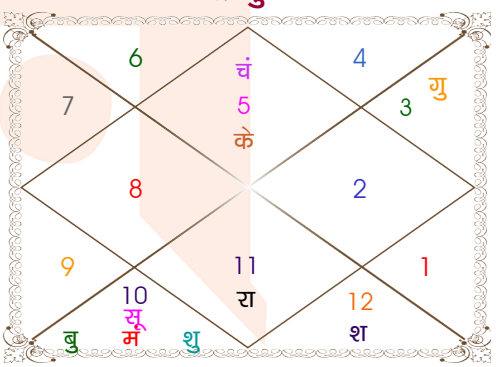

नवमांश कुंडली

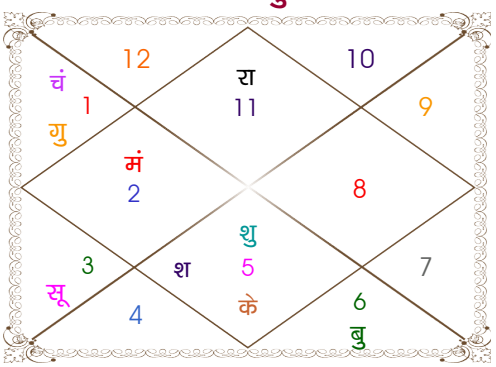

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 6 मास 16 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/02/2026		21/08/2031		21/08/2051		21/08/2057		21/08/2067	
21/08/2031		21/08/2051		21/08/2057		21/08/2067		21/08/2074	
	03/02/2026	शुक्र	21/12/2034	सूर्य	09/12/2051	चंद्र	21/06/2058	मंगल	18/01/2068
शुक्र	19/03/2026	सूर्य	21/12/2035	चंद्र	09/06/2052	मंगल	20/01/2059	राहु	04/02/2069
सूर्य	25/07/2026	चंद्र	21/08/2037	मंगल	14/10/2052	राहु	21/07/2060	गुरु	11/01/2070
चंद्र	23/02/2027	मंगल	21/10/2038	राहु	08/09/2053	गुरु	20/11/2061	शनि	20/02/2071
मंगल	22/07/2027	राहु	21/10/2041	गुरु	27/06/2054	शनि	22/06/2063	बुध	17/02/2072
राहु	08/08/2028	गुरु	21/06/2044	शनि	09/06/2055	बुध	20/11/2064	केतु	15/07/2072
गुरु	15/07/2029	शनि	21/08/2047	बुध	15/04/2056	केतु	21/06/2065	शुक्र	14/09/2073
शनि	24/08/2030	बुध	21/06/2050	केतु	21/08/2056	शुक्र	20/02/2067	सूर्य	20/01/2074
बुध	21/08/2031	केतु	21/08/2051	शुक्र	21/08/2057	सूर्य	21/08/2067	चंद्र	21/08/2074

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/08/2074		21/08/2092		22/08/2108		22/08/2127		22/08/2144	
21/08/2092		22/08/2108		22/08/2127		22/08/2144		00/00/0000	
राहु	03/05/2077	गुरु	09/10/2094	शनि	25/08/2111	बुध	18/01/2130	केतु	18/01/2145
गुरु	27/09/2079	शनि	21/04/2097	बुध	05/05/2114	केतु	15/01/2131	शुक्र	04/02/2146
शनि	03/08/2082	बुध	28/07/2099	केतु	13/06/2115	शुक्र	15/11/2133		00/00/0000
बुध	19/02/2085	केतु	04/07/2100	शुक्र	13/08/2118	सूर्य	22/09/2134		00/00/0000
केतु	10/03/2086	शुक्र	05/03/2103	सूर्य	26/07/2119	चंद्र	21/02/2136		00/00/0000
शुक्र	10/03/2089	सूर्य	22/12/2103	चंद्र	23/02/2121	मंगल	17/02/2137		00/00/0000
सूर्य	01/02/2090	चंद्र	22/04/2105	मंगल	04/04/2122	राहु	07/09/2139		00/00/0000
चंद्र	03/08/2091	मंगल	29/03/2106	राहु	08/02/2125	गुरु	13/12/2141		00/00/0000
मंगल	21/08/2092	राहु	22/08/2108	गुरु	22/08/2127	शनि	22/08/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 6 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षितिज पर वृश्चिक लग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। प्रस्तुत लग्नादिक प्रभाव आपके जीवन की सजीवता का चित्रण करता है। आप मन्द चरित्र के प्राणी है। आपकी व्यथित परिस्थिति जन सामान्य की दृष्टि में आपके रहस्यमय महत्वकांक्षा को विपरीत परिवेश में प्रस्तुत किया।

आप में धर्म का अल्प ज्ञान है। फिर भी आप एक धर्म प्रचारक के रूप में प्रायः सबों पर धार्मिक प्रभाव डालते हैं। वस्तुतः सत्य तो यह है कि आपके दृष्टिकोण से धार्मिक विचारधारा बहुतायत में प्राप्त करना। यह संप्रति स्वरूप है। अच्छी धर्मिक विचारधारा दुषित पद्दति को निश्चित रूप से स्वच्छ कर देता है।

आप अद्म्य उत्साह से युक्त होकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समर्पित हैं तथा स्वतंत्र विचार से भक्ति उपासना की समतुल्यता हेतु स्थिर चित्त से विजयोल्लासित हैं। वास्तव में आप मुसीबतों से संघर्ष करने में आनन्द प्राप्त करते हैं। जिस प्रकार कठिन संघर्ष एवं युद्ध में विजय श्री का आनंद मधुर फलदायी होता है।

समाज में आपकी छवि चतुरता पूर्ण ढंग से अच्छी प्रकार एवं सावधानी पूर्वक अपना कार्य व्यवसाय संचालित करने वाले की श्रेणी में हैं। आपमें दृढ़ कार्य क्षमता के गुण विद्यमान है। परंतु द्वितीय कर्मस्थल पर एवं पत्नी की समस्या का समाधान विशालकाय प्रतीत होता है। आप अपने घर परिवार को प्रसन्नता पूर्वक विकसित करने के इच्छुक हैं। अतएव आप अपनी प्रेमिका को प्रसन्न रखने के बिंदु पर प्रयत्नशील रहते हो। परंतु आप अपनी पत्नी को किसी भी प्रकार के पश्चाताप का अवसर नहीं देना चाहते है। आपका कुछ समय इसी चिंतन में व्यतीत हो जाता है। इस कारणवश आपको पूर्व सूचित किया जाता है कि आप यौन रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतएव गुप्तरूप से वासनात्मक अर्थात संभोगात्मक रोगादि से रक्षित रहें।

आप अपने स्वास्थ्य की रक्षा के प्रति उचित स्रोत अपनाएं अन्यथा आप अर्श रोग तथा ट्यूमर रोग से जीवन के 13 वें वर्ष 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्षादि में दुःखी हो सकते हैं। उत्तम तो यह है कि समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आप सामान्यतः अपने कार्य व्यवसाय को अन्यों के साथ करना अस्वीकार्य करते हैं। परंतु यदि कोई आपको उत्तेजित कर दें तो आप बिच्छू के समान ढंक मार कर वृश्चिक राशीय गुणों को चरितार्थ कर सकते हैं। इसलिए आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सीमित रहना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में कार्य व्यवसाय संपादन हेतु अनुकूल दिन रविवार, सोमवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। परंतु बुधवार शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु आपके लिए

अंक 5, 6 एवं 8 अंक प्रतिकूल है।

आपकी महत्वकांक्षा एवं अनुकूलता हेतु रंग लाल, नारंगी, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु रंग हरा, नीला एवं सफेद रंग आपके हित प्रतिकूल है।